कार्यक्रम का नाम	कवर किये गये जिले
3. सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम (डी०पी०ए०पी०)	1. मिर्जापुर 2. हमीरपुर 3. जालौन 4. बांदा 5. इलाहाबाद 6. झांसी 7. बहराइच 8. ललितपुर 9. लखीमपुर खीरी 10. सीतापुर 11. गोंडा 12. चमोली 13 पौड़ी गढ़वाल 14. टेहरी गढ़वाल 15. अल्मोड़ा 16. पिथौरागढ़ और 17. सोनभद्र
4. ग्रामीण युवा स्वरोजगार प्रशिक्षण योजना (ट्राइसेम)	यह कार्यक्रम राज्य के सभी जिलों में कार्यान्वित किया जा रहा है ।

(ङ) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए आवंटित राशि निम्नलिखित प्रकार है:—

कार्यक्रम का नाम	आवंटन (लाख रुपए में)			
	1989–90	1990–91	1991–92	1992–93
1. समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम	7363.98	7363.98	6928.56	6531.00
2. जवाहर रोजगार योजना	41364.90	40874.62	40874.62	39865.89
3. सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम	1386.00	1386.00	1386.00	1386.00
4. ग्रामीण युवा स्वरोजगार प्रशिक्षण योजना (ट्राइसेम)	*	421.96	800.70	552.40

* 1989–90 तक ट्राइसेम पर होने वाले खर्च को समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के आबंटन में से पूरा किया जाता था। 1990–91 से ट्राइसेम हेतु आवंटन को समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम से अलग कर दिया गया था।

(ग) शून्य।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

उत्तर प्रदेश में पेयजल की उपलब्धता

1619 **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में ऐसे गांवों का पता लगाया है जहां पेयजल उपलब्ध नहीं है ;

(ख) यदि हां, तो ऐसे गावों का जिलावार ब्यौरा क्या है ;

(ग) वहां पेयजल उपलब्ध कराये जाने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं ;

(घ) क्या सरकार पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रही है ; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में पेयजल उपलब्ध कराने के लिये क्या लक्ष्य निर्धारित किये गये तथा इस संबंध में हुई प्रगति का वर्षवार ब्योरा क्या है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री उनमभाई एच० पटेल) : (क) जी हां।

(ख) उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने विभिन्न जिलों में निम्नलिखित "जल स्रोत रहित" समस्याग्रस्त गांवों के बारे में सूचित किया है :—

जिला	1-4-92 को जल स्रोत सहित समस्या-ग्रस्त गांवों की संख्या
अल्मोड़ा	49
चमोली	8
देहरादून	8
नैनीताल	3
पौड़ी	148
पिथौरागढ़	18
टिहरी	28
कुल :	262*

*राज्य सरकार से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उपर्युक्त जिलों में 124 अन्य समस्याग्रस्त गांव हैं।

(ग) पाइप द्वारा जल आपूर्ति योजनाओं, ग्रेविटी फीड योजनाओं, जल एकत्रीकरण टांकों तथा अन्य उपयुक्त योजनाओं द्वारा 31-3-93 तक इन गांवों में पेय जल की व्यवस्था करने हेतु एक कार्य योजना का अंतिम रूप दिया गया है। इस प्रयोजन हेतु त्वरित ग्रामीण जल आपूर्ति कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए आवंटन के अलावा राज्य सरकार को वर्ष 1991-92 में 28.67 करोड़ रुपए और 1992-93 में 7.81 करोड़ रुपए की राशि विशेष सहायता के रूप में रिलीज की गई थी।

(घ) जी, नहीं।

(ङ) सूचना संलग्न विवरण में दी गई है। **(नीचे देखिये)**

विवरण

उत्तर प्रदेश —गांवों की संख्या

वर्ष	लक्ष्य			उपलब्धि			
	स्रोत रहित	आंशिक रूप से कवर किये गये	कुल	स्रोतरहित	आंशिक रूप से कवर किये गये	कुल	प्रतिशत उपलब्धि
1989-90	4193	0	4193	3181	0	3181	75.86
1990-91	770	4654	5424	563	5399	5962	109.92
1991-92	136	5075	5205	187	5857	6044	116.12